Quarterly newsletter

OCT TO DEC 2024 VOL- 04

"Failure is the opportunity to begin again more intelligently ", Henry Ford!

A moment of learning, unlearning and relearning

As we were delighted and excited to start the changemaker fellowship, we successfully conducted 3 sessions, after that, we faced a fast dropout of the children. This made us very stressed. But we worked on it, took the mentor's help and designed new curriculum. Thus we dropped the 1st batch and started the new batch.

Relaunching the new batch

This time we started with 6 week funnel program. Here we gave training one day per week and home assignments or project work. By the end of December, we successfully finished 4 weeks of training. And this time the dropout was much less. Out of the total 19 enrollment we have still 15 participants remaining. This was a very happy moment for Wild. Now two more sessions remain. Till now we have conducted sessions on leadership, breaking the self barrier, understanding different career opportunities, the importance of environment, the importance of natural farming, village survey, eco-tourism, did project work on plastic cleaning, poshan mela, and tour guide.

After completion of 6 weeks of training, we will go for 6-months fellowship program with youth who are very dedicated and interested in learning and doing something for the sake of the environment.

OPPO F19 Pro+

OPPO F19 Pro+

OPPO F19 Pro+

wild
OPPO F19 Pro+

OPPO F19 Pro+

OPPO F19 Pro+

OPPO F19 Pro+

OPPO F19 Pro+

Monitoring of Analog and Agro forestry farm

We are in the process of making our farm more sustainable and organic. Currently, we are adding mulch, waste decomposer, and jivaamrutum to make our farm more organic and have natural growth. We are adding indigenous vegetable seeds and more to the farm. The soil quality has been improving slowly slowly.
Meanwhile, we are conducting training at our farm and 4 more farmers are showing interest in implementing Analog forestry farm.

Wild In Media

1. Kanthari blog- "Born to be wild"
2. Dainik Jagran News- "poshan ke liye mote anaaj ko banaya thali ka hisa"
3. https://www.youtube.com/watch?v=DjnqIYy0d5w
4. https://www.facebook.com/100089756164221/videos/675939744280121/?extid=WA-UNK-UNK-UNK-AN_GK0T-GK1C&mibextid=2Rb1fB
5. https://www.youtube.com/watch?v=FS8nY28x30c
6. https://www.youtube.com/watch?v=aQIkBK3FiD0
7. Dainik Jagran News
8. https://www.youtube.com/watch?v=BYnIxw7ZXvg
9. https://dainik-b.in/dTVY8DrcuEb

जी-20 में जमुई की बेटी के हाथों मोटे अनाज से बने मोमोज, केक, पिज्जा का लगा था स्टाल

संसू, सिमुलतला (जमुई): जी 20 सम्मेलन को लेकर जहां विश्व ने भारत की बढ़ती ताकत को निहारा। सम्मेलन की अपार सफलता से पूरा देशवासी फूले नहीं समा रहे हैं। सभी ताकतवर देश भारतीय मेजबानी में वसुधैव कुटुम्बकम की हमारी विरासती परंपरा में आथित्य स्वीकार किया। इस सम्मेलन में जमुई जिले की सिमुलतला की एक बेटी शिवानी कुमारी ने राष्ट्राध्यक्षों के स्वजन ने मोटे अनाज से बने आधुनिक व्यंजन पीजा, मोमोज, डोसा, बर्गर, केक, चाउमीन, जैम, जैली आदि को देखा। शिवानी जमुई और सिमुलतला में वाइल्ड नामक संस्था चलाकर मोटे अनाज के लिए लोगों को जागरूक करने का कार्य करती है। दैनिक जागरण से बातचीत करते हुए बताया कि मुझे खुशी है जी - 20 सम्मेलन में मुझे आमंत्रित किया गया। यह सौभाग्य राज्य में मेरे अलावा बेगूसराय की रिचा को प्राप्त हुआ है। कृषि विभाग बिहार सरकार द्वारा चयनित होकर यहां तक का सफर तय किया गया। बीते कुछ वर्षों में कोदो, मडुआ, महुआ, बाजरा, मक्का, कुदरूम आदि अनाज से आधुनिक व्यंजन ने लोगों का ध्यान खींचा है। जिसका परिणाम है की आज मुझे बिहारी होने का गर्व महसूस हो रहा है। मेरे द्वारा बनाए गए मोटे अनाज चर्चित सैफ कुणाल कपूर ने चख कर खूब सराहना किया है।

शिवानी के स्टाल पर मौजूद कुणाल कपूर ● सौजन्य : शिवानी

बंजर भूमि को भी हर-भरा बनाया जा सकता है

संवाद सूत्र, जागरण सिमुलतला (जमुई): विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण दिवस पर सोमवार को वाइल्ड ट्रस्ट के बैनर तले सिमुलतला स्थित सेनवाड़ी नर्सरी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के द्वारा कैसे सूखाग्रस्त क्षेत्र और विशाल बंजर भूमि को हरा भरा बनाया जा सकता है।

उपविकास आयुक्त सुमित कुमार ने सेनवाड़ी नर्सरी को घूम-घूम कर देखा एवं व्यवस्था से अभिभूत हुए। भ्रमण के दौरान नर्सरी के कई प्रजातियों के आम, तेजपत्ता, कटहल, केंचुआ खाद आदि की खरीदारी किया। वाइल्ड ट्रस्ट के द्वारा विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण दिवस पर सेनवाड़ी नर्सरी में कार्यक्रम इसलिए रखा गया कि क्षेत्र के किसानों को यह बतलाया जा सके कि कैसे बंजर भूमि में एक सैलानी हरियाली की गाथा लिखते हुए आय के मजबूत साधन बनाए। विदित हो की यह नर्सरी 16 एकड़ की भूमि में फैला है। कभी बंजर भूमि के रूप में इस स्थल की पहचान थी। एक सैलानी जो आनंद विहार के लिए सिमुलतला आए थे। उन्होंने कैसे एक सफल वाटरशेड प्रबंधन, वृक्षारोपण और पशुपालन की अद्भुत तकनीक का उपयोग कर बंजर भूमि पर नई जान फूंक दिया। पिछले 31 वर्षों से दूरदर्शी कार्य के कारण यह नर्सरी जिले में अलग पहचान रखता है।

अपने संबोधन में उपविकास आयुक्त ने सरकार के कार्यों को रखा। बताया कि सरकार कैसे एक मां के पेट में एक बच्चे के भ्रूण से लेकर उसके जन्म और मृत्यु तक अपने जवाबदेही निभाता है। भ्रमण के दौरान ही जल संरक्षण, बागवानी, कृषि, मनरेगा आदि के अधिकारियों के अलावा साथ चल रहें प्रखंड विकास पदाधिकारी झाझा रवि जी से कहा जो संसाधन बने उसका प्रयोग कर इस नर्सरी को और सबलता दिया जाए। चहुंओर बाग बगीचे के घने छाव तले यह बैठक आयोजित हुई। कार्यक्रम का संचालन ग्राम भारती सर्वोदय आश्रम के संचालक कुमार विमलेश ने किया। कार्यक्रम को प्रखंड विकास पदाधिकारी रवि जी, प्रोफेसर केदार मंडल, वाइल्ड ट्रस्ट की शिवानी, वनपाल सिमुलतला आदि ने भी संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन हर्षवर्धन ने ज्ञापित किया।

कार्यक्रम के दौरान नर्सरी प्रबंधक सुजय घोष को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान नर्सरी में कार्यरत श्रमिकों को गूंज संस्थान के द्वारा फैमली किट दिया गया। जिसमें डेली उपयोग के वस्त्र और बिछावन आदि थे। इस अवसर पर वाइल्ड ट्रस्ट के निवास कुमार, गूंज के अरुण कुमार, प्रकाश यादव, बिंदु यादव के साथ चकाई, सोनो और झाझा के किसान उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान नर्सरी प्रबंधक सुजय घोष को अंग वस्त्र भेंट करने के बाद उपविकास आयुक्त सुमित कुमार ● जागरण

ज्ञान भवन में लगे महिला उद्योग मेले में मिल रहे तरह-तरह के आइटम, बड़ी संख्या में पहुंच रहे विजिटर्स

पोषण के लिए शिवानी ने मोटे अनाज को बनाया थाली का हिस्सा

बाजरा एक स्वास्थ्यवर्धक अन्न है : निदेशक

Next Planning

1. Establish a permanent value addition and packaging centre.
2. Making different models of Analog Forestry
3. Organizing Indigenous food mela's
4. Organizing awareness camps in school regarding renewable and rewilding
5. Doing more awareness camps.
6. Running changemaker fellowship program
7. Joining more and more farmers to wild vision and mission.

Support our work

1. Looking for help to establish a sustainable value-addition centre in the village.
2. Looking for a knowledge partner in development
3. Support in spreading awareness regarding millets, forest food, and the saving environment among children and youths.
4. Collaborate and volunteer with us to engage in schools and organize mela.
5. Collaborate and volunteer with us to create awareness around millet.
6. Collaborate and volunteer with us to implement new farming models.
7. Funding and facilitator support to run the changemaker fellowship smoothly.

Dear supporters and friends,
It was a great learning for us to work in a remote and Naxal affected village and we were able to come up with strong planning to enhance the livelihood, and environment and improve the health of the community.
I would like to kindly request you to visit us and support our work.
-wild team

Bank Details

Name:- wild
Account Number:- 40951128169
IFSC Code:- SBIN0000097
Branch Name:- SBI Jamui

VISIT OUR WEBSITE- WWW.WILD-INDIA.ORG
CALL US AT 9334105347 WRITE US AT CONNECT@WILD-INDIA.ORG
SIMULTALA, JAMUI, BIHAR, INDIA-811307